

बिहू

बमन : अ' चूबाया, आहक, आहक; आजि
आकौ ल'बा-छोरालीकेम्पा घरत
नाम्प।

चूबाया : कलै ग'ल सिहँत?

बमन : सिहँत कालि माकब लगत गारब
घबलै गैछे। कालिलैब पबा
आमाब बिहू।

चूबाया : आपोनालोकब प्रधान उँस्र बिहू
नेकि?

बमन : हय। तिनिा खतुत आमि तिनिा बिहू
पालन करौं।

चूबाया : तिनिउा बिहू एके धबणे ने बेलेग
बेलेग धबणे मना हय ?

बमन : असमीया नतून बछबब संक्रान्ति
प्रथमटौ बिहू हय। दक्षिण
ताबतब

उगादि आदिब दबे। म्पयाक
बहाग बिहू बोलै। उँतब ताबतब

बिहु

रमेन : आइए! आइए सुब्बायाजी! आज तो
बच्चे घर में नहीं हैं।

सुब्बाया : अरे! वे लोग कहाँ गए हैं?

रमेन : वे अपनी मम्मी के साथ कल गाँव
चले गए हैं। कल से हमलोगों का
बिहु शुरु हो रहा है।

सुब्बाया : आप का मुख्य उत्सव बिहु है
क्या?

रमेन : हाँ, है। तीन ऋतुओं में तीन बिहु
मनाए जाते हैं।

सुब्बाया : तीनों बिहु एक ही तरह मनाए
जाते हैं, या अलग अलग?

रमेन : असमिया नववर्ष की संक्रान्ति पर
प्रथम बिहु मनाते हैं। यह दक्षिण
भारत के उगादि उत्सव की
तरह

है। इसे बहाग बिहु कहा जाता है।
उत्तरी भारत की होली से यह
मिलता जुलता है। इस बिहु में
युवक युवतियाँ खुले मैदान में

होली उंग्रर लगत स्प्याब मिल
आछे। डेका-गाउरुवे मुकलि
पथाबत बिल नाचे, सक्रिया घबे घबे
लुँचबि गाय। बं धेमालि कबा हय
बाबे स्प्याक बङाली बिल बुलिओ
कोरा हय।

चुब्याया : एस्प सकलोबोब एके दिनास्प
हयने?

बमेन : नहय। आगते एस्प बिल एमाह धबि
पालन कबा हैछिल। आजिकालि
एसण्टाह, दहदिनतकै बेछि मना
नहय। एस्प बिलब प्रथम दिनटोक
गरु-बिल बुलिओ कोरा हय।
सेस्पदिना गरु-म'हक गा धुओरा
हय। नतून पया दिया हय आरु
भाल खाद्य थाबटै दिया हय।

चुब्याया : मानुहब बाबे एकौ नास्प नेकि?

बमेन : आछे, आछे। द्वितीय दिना मानुह
बिल। सेस्पदिना मानुहे माह-हालधि
घाँहि गा धोरे। उगरानब मूर्ति
धुओराब पिछत नतून कापोब दिया
हय। नामघबब थापना नतूनकै

नाचते-गाते हैं। शाम को घर-घर में
जाकर ये 'हुसरी' गाते हैं। माहौल
रंगीन होता है; इसलिए इसे
रंगाली बिहु भी कहते हैं।

सुब्बाया : तो क्या यह सब एक ही दिन में
हो जाता है?

रमेन : नहीं। बहुत पहले यह बिहु महीने
भर मनाया जाता था। आजकल
एक सप्ताह या दस दिन तक
मनाया जाता है। इस बिहु के प्रथम
दिन को गो-बिहु कहते हैं। उस
दिन पालतू गाय-भैंसों को नहलाया
जाता है, उनके गले में नई
रस्सियाँ बँधी जाती हैं और विशेष
भोजन कराया जाता है।

सुब्बाया : आदमियों के लिए कुछ भी नहीं है
क्या?

रमेन : है, ज़रूर है। दूसरे दिन मानव
बिहु होता है। उस दिन आदमी
पिसी हुई उड़द-हल्दी मलकर
नहाते हैं। भगवान की मूर्ति को
स्नान कराने के बाद नए कपड़े
पहनाते हैं। पूजाघर को विशेष रूप
से सजाया जाता है। विशेष नैवेद्य

चढ़ाए जाते हैं। छोटे-बड़े सभी नये
कपड़े पहनते हैं। स्त्रियाँ खुद बुने
हुए गमछे पुरुषों को भेंट करती
हैं। उसे 'बिहुवान' कहते हैं।

सजोरा

हय। तात नैबद्य उंसर्ग कबा
हय। सेम्पदिना स्रु डाङुब
सकलोरे नतुन कापोर पिन्ने,
तिबोतासकले निजेम्प वै पुरुषक
गामोछा दिये। स्पयाक विहरान
बोले।

चुब्बाया : तात मास्पकी मानुहे कापोर बय
नेकि? आमार स्पयात मता
मानुहेहे कापोर बय।

बमेन : हय। दुम्प तिनि माह आगरे पबा
तिबोताबिलाके विह्र कापोर
बवले आरस्तु करे।

चुब्बाया : बाकी दूा विह्र केतिया पालन कबा
हय?

बमेन : द्वितीय विह्रौक काति विह्र बुलि
कोरा हय। आहिन आरु काति
माह्र संक्रान्ति स्पयाक पालन कबा
हय। एम्प समयत खाद्य शस्यर
प्राचुर्य कम हय बावे स्पयाक
कङ्गाली विह्र बुलिओ कोरा हय।

सुब्बाया : क्या वहाँ औरतें कपड़े बुनती हैं?
हमारे यहाँ तो पुरुष ही कपड़े
बुनते हैं।

रमेन : हाँ, दो तीन महीने पहले से औरतें
बिहु के कपड़े बुनना प्रारंभ कर
देती हैं।

सुब्बाया : फिर बाकी दो बिहु कब-कब मनाए
जाते हैं?

रमेन : दूसरे बिहु को काति बिहु बोला
जाता है। आश्विन और कार्तिक की
संक्रान्ति पर इसे मनाया जाता है।
उस समय खान-पान की चीजों का
प्राचुर्य नहीं रहता है। इसलिए इसे
कंगाली बिहु भी कहा जाता है।
कहा जाता है उस दिन धान में
पहली बाली आती है। शामको खेत
में और तुलसी के सामने थाले में
नैवेद्य चढ़ाया जाता है और दीपक
जलाया जाता है।

सुब्बाया : तीसरा बिहु कैसे और कब मनाया
जाता है?

रमेन : असम का तीसरा बिहु माघ बिहु
जो पूस और माघ की संक्रान्ति पर
मनाया जाता है। इस बिहु से पहले

তেতিয়া ধানে ঠোৰ মেলেহে। সন্ধিয়া
পথাৰত আৰু তুলসীৰ তলত
নৈবদ্য দিয়া হয় আৰু চাকি
জ্বলোৱা হয়।

চুৰ্কায়া : তৃতীয় বিহুটো কেনেকৈ আৰু
কেতিয়া পালন কৰা হয় বাৰু?

ৰমেন : অসমৰ তৃতীয় বিহু মাঘ বিহু। পুহ
আৰু মাঘৰ সংক্ৰান্তিত স্পয়াক
পালন কৰা হয়। বিহুৰ আগে আগে
খেতি চপোৱা হয়। সেয়ে ধান, মাহ,
শাক পাচলিৰে মানুহৰ ঘৰ উঁভৈনদী
হয়। ঘৰে ঘৰে নানান তৰহৰ পিঠা
পনা কৰা হয়।

চুৰ্কায়া : স্পয়াৰো বেলেগ নাম আছে নেকি?

ৰমেন : আছে। স্পয়াক ভোগালী বিহু বুলি
কোৱা হয়। এম্প বিহুৰ প্ৰধান
বৈশিষ্ট্য হল ভোগ। সেয়ে স্পয়াক
ভোগালী বোলা হয়। বিহুৰ
আগদিনা ৰাতি পথাৰত ৰাজহুৱা
ভাবে ভোজভাত খোৱা হয়।

চুৰ্কায়া : বিহুলৈ আমাক নামাতে নেকি?

ৰমেন : আপুনি মোৰ লৰাটোৰ ঘৰুৱা

খেত কা অনাজ ঘৰ আ जाता है।
इसलिए धान, उड़द, साग-सब्जी
आदि का प्राचुर्य होता है। घर-घर
में विविध प्रकार के गुझिया और
लड्डू बनते हैं।

सुब्बाया : इसका भी अलग नाम है क्या?

रमेन : जी हाँ, है। इसे भोगाली बिहु कहा
जाता है। इस बिहु की मूल
विशेषता है -- भोग। इसलिए इसे
भोगाली बिहु कहा जाता है। इस
बिहु के पहले दिन रात को खुले
मैदान में सामूहिक भोज होता है।

सुब्बाया : बिहु के लिए हमें नहीं बुलाओगे
क्या?

रमेन : आप हमारे बेटे को पढ़ाते हैं।
आपको क्यों नहीं बुलाएँगे? आप
एकबार भोगाली बिहु पर हमारे
गाँव में अवश्य आएँ। इस बिहु पर
प्रत्येक गाँव में मेजि बनाया जाता
है। बिहु के दिन बड़े सबेरे इसे
जलाया जाता है। मेजि में उड़द,

तिल, नारियल, सुपारी आदि
चढ़ाया जाता है। आप एक बार
जैसे भी हो अवश्य आएँ।

শিক্ষক। আপোনাক নামাতিমনে? সুব্বায়া : জরুর আউঁগা।
 আপুনি এবাৰ ভোগালী বিহুত
 আমাৰ গাঁৱলৈ ওলাব।
 এম্প বিহুত গাঁৱে গাঁৱে মেজি
 সজা হয়। বিহুৰ দিনা

ঢলপুৱাতে মেজি জ্বলোৱা হয়।
 মেজিত মাহ, তিল, নাৰিকল,
 তামোল আদি উৎসৰ্গা কৰা হয়।
 আপুনি যেনে তেনে এবাৰ আহিবলৈ
 চেষ্টা কৰিব।

চুব্বায়া : ভাল বাকু।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ	হিঁদী অর্থ
লৰালৰি	जल्दी-जल्दी
উৎসৱ	उत्सव
বিহু	बिहु (असम में मनाया जानेवाला लोकोत्सव)
ঋতু	ऋतु
পালন কৰা	पालन करना
মনা হয়	पालन किया जाता है / मनाया जाता है
সংক্রান্তি	संक्रान्ति
উগাদি	दक्षिण भारत (कर्णाटक, आंध्र) का नए वर्ष का उत्सव

नानान	विविध
ब१ बह्म्पच	रंग-रेलियाँ
ब१ धेमालि	रंग-रेलियाँ
पथाब	खेत
श्चबि	बिहु-गीत से पहले गाए जानेवाला मांगलिक गीत
धेमालि	खेलकूद
बङाली	रंगीन
गबू विल्	गो-बिहु
गबू	गो
म'ह	भैंस
पघा	पगहा (रस्सी)
थादा	खाद्य
माह शालधि	उड़द-हल्दी (उबटन सामग्री)
घँहि	मलकर
गोआँम्प	गोसाईं (भगवान की मूर्ति)
धुआँम्प	स्नान कराकर
नतून	नवीन, नया
कापोब	कपड़ा
गामोचा	गमछा
बिल्बान	बिहु के दिन भेंट किया जानेवाला वस्त्र
बय	बुनती है
आहिन	आश्विन
काति	कार्तिक
प्राचूर्या	प्रचुरता, प्राचुर्य
	कंगाली

कङ्गाली	धान
धाने	बाली
ठोब	निकलते हैं
मेलेहे	संध्या
सक्रिया	आधार
र्जो	तुलसी
तुलसी	दीपक
चाकि	जलाना
ज्वलोर्रा	पौष माह
पुह	माघ
माघ	आगे-आगे, पहले
आगे आगे	खेत
खेति	संग्रह करना
चपोर्रा	उड़द
माह	प्राचुर्य
ऊँडनदी	घर घर में
घरे घरे	गुझिया आदि
पिठापना	भोगाली
भोगाली	विशेषता
बैशिष्ट्य	भोग
भोग	पहले दिन
आगदिना	सामूहिक
बाजहर्रा	भोज
भोजभात	घरेलू
घरुर्रा	बाँस आदि से बनाया गया मंदिरनूमा ढाँचा
	बड़े सवेरे, पौ फटते ही

মেজি	তিল
চলপুৱা	নারিয়ল
তিল	চড়ানা
নাৰিকল	
উংসৰ্গা	

অভ্যাস

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

তিনিা ঋতুত তিনিা বিহ পালন কৰে।

→ তিনিা ঋতুত তিনিা বিহ পালন কৰা হয়।

1. বিহত খুব বং ধেমালি কৰে।
2. বিহৰ বাবে নতুন কাপোৰ বয়।
3. বিহত গৰুক নতুন পঘা দিয়ে।
4. বহাগ বিহক বঙালী বিহ বুলিও কয়।
5. মাঘ বিহত মেজি জ্বলায়।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বিহ _____ পাছতে হ'ব। (একমাহৰ, এমাহৰ)
2. মম্প সকলো কাম _____ কৰিম। (এদিনাম্প, একেদিনাম্প)
3. বিহৰ দিনা তিবোতা সকলে পুরুষক গামোচা দিয়ে, _____ বিহরান বোলে। (ম্পয়াক, ম্পটোক)

4. ৰঙালী বিহুৰ দ্বিতীয় দিনা মানুহ বিহু; _____ সকলোৱে নতুন কাপোৰ
পিন্ধে।

(সেম্পদিনা, সেম্পটোদিনা)

5. তাৰ পিছত ভোগালী বিহু; _____ বিহুত ঘৰে ঘৰে মেজি সজা হয়।

(স্প, এম্প)

III. বিলোম শব্দ বনাও।

নতুন

মতামানুহ

ডাঙৰ

ৰাজহুৱা

স্পপাৰ

IV. এক বাক্য মঁ উত্তৰ দীজিও।

1. অসমৰ প্ৰধান উৎসৱ কি?
2. বহাগ বিহুৰ আন এটা নাম কি?
3. বহাগ বিহুৰ প্ৰথম দিনটোক কি বিহু বোলে?
4. বিহুৰ গামোচাৰ আন এটা নাম কি?
5. কাতি বিহুৰ আন এটা নাম কি?
6. মেজি কোনটো বিহুৰ সময়ত সজা হয়?
7. মাঘ বিহুক কিয় ভোগালী বিহু বোলা হয়?
8. ৰাজহুৱা ভাৱে ভোজভাত কোন দিন খোৱা হয়?
9. চুব্বায়া কাৰ ঘৰুৱা শিক্ষক?
10. মেজিত কি কি উৎসৰ্গা কৰা হয়?

V. উদাহৰণ কে অনুসৰি দিও গও শব্দোঁ কো সহী ক্ৰম মঁ ৰখকৰ বাক্য বনাও।

उदाहरण :

जातीय असमर बिल् उंसर

→ बिल् असमर जातीय उंसर।

1. बहाग उपादान बिल्ब ल्चरि प्रधान त्रि
2. कृषि उंसर प्रधान करा हय बहागत पालन बिल्
3. मास्पकी ताँतत असमर मानुहे बय कापोर
4. बिल् हय हिचापे गामोचा बिल्बान दिया

VI. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. गरु बिल्ब दिना गरुक माह-हालधिरे गा-धुरास्प नतुन पघा दिया हय।
2. त्रोगाली बिल्ब दिना त्रेलाघरत बाजल्बरा त्रारे त्रोजत्रात खौरा हय।

पढ़िए और समझिए।

बिल्बान

बिल् असमर प्रधान उंसर। स्प असमीयाब वापति साहोन। बिल् त्रिनि। त्रिनिता बिल् त्रिनि वित्रिन्न खतुत पालन करा हय।

बसन्त खतुब च'त आरु बहाग माहब संक्रान्तिब दिनाब पबा 'बहाग बिल्' पालन करा हय। स्पयाक 'बङ्गाली बिल्'उ वोला हय। प्रथम दिना गरु म'हक गा धुउरा हय। नतुन पघाबे बन्ना हय। द्वितीय दिना मानुह बिल्। सेस्पदिना त्रिबोता सकले पुरुषसकलक नतुन कापोर-कानि दिये। ताके 'बिल्बान' वोले। बङ्गाली बिल्बत बबकै बं धेमालि करा हय। डेका गात्ररुवे मुकलि पथाबत बिल् नाचे। सक्रिया ल'बाबोबे घबे घबे ल्चरि गाय।

शबंकालत आहिन आरु काति माहब संक्रान्तिब दिना 'काति बिल्' पालन करा हय। एस्प बिल्बक 'कङ्गाली बिल्'उ वोले। तेतिया धाने त्रौब मेले। सक्रिया पथाबत नैरदय दिया हय आरु दीप ज्वलौरा हय। घबत साधारण पिठा-पना करा हय।

শীত কালত পুহ আৰু মাঘৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনা ‘মাঘ বিহু’ পালন কৰা হয়। খোৱা বস্তুৰ প্ৰাচুৰ্য্যৰ বাবে এম্প বিহুক ‘ভোগালী বিহু’ও বোলে। এম্প বিহুত দুম্প তিনিদিন আগৰে পৰা মানুহৰ ঘৰে ঘৰে নানা তৰহৰ পিঠা-পনা কৰা হয়। বিহুৰ আগদিনা ডেকাহঁতে পথাৰত ভেলাঘৰ আৰু মেজি বনায়। বিহুৰ দিনা বোৱাৰী পুৱাতে মেজি জলোৱা হয়। মেজিত মানুহে মাহ, তিল, সৰিয়হ, তামোল, নাৰিকল উৎসৰ্গা কৰে। গাঁৱৰ ল’ৰাবিলাকে মেজিৰ ওচৰত নানান খেল ধেমালি কৰে। মাঘ বিহুত মহৰ যুঁজ পতা হয় আৰু কণী-যুঁজ খেলো খেলা হয়।

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
বাপতি	পৈতৃক
সাহোন	জায়দাদ, ধৰোহৰ
বসন্ত	বসন্ত
কাপোৰ-কানি	কপড়া-লত্তা
শৰৎকালত	শৰদকাল
দীপ	দীপক
শীত	শীত
ফচল	ফসল
কণী	অঁড়া
বোৱাৰী পুৱা	বহুত সুৰহ

অভ্যাস

I. এক বাক্য মে উত্তৰ দীজিএ।

1. বহাগ বিহু কোন ঋতুত পালন কৰা হয়?

2. বিহত নতুন কাপোৰ কোনে কাক দিয়ে?
3. কঙালী বিহু কেতিয়া পালন কৰা হয়?
4. ভোগালী বিহুৰ সময়ত মানুহৰ ঘৰে ঘৰে কি থাকে?
5. বিহুৰ দিনা মেজি কোন সময়ত জ্বলোৱা হয়?

II. বিলোম শব্দ বনাই।

মুকলি

আগদিনা

এম্পফালে

ওচৰত

বহল

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

দেশৰ স্বাধীনতা আন্দোলনত অসমেও আগ ভাগ লৈছিল। তৰুণৰাম ফুকনহঁতে গান্ধীজীক সহযোগ দিছিল। এম্প আন্দোলন গাঁৱে ভুঁঞেও বিয়পি যায়। কুশল কোঁৱৰক এম্প আন্দোলনত ফাঁচি দিয়া হয়। অসমীয়া ছোৱালী বোৱাৰীয়েও এম্প আন্দোলনত যোগ দিছিল। আন্দোলন কৰাৰ বাবে ভোগেশ্বৰী ফুকননীক ম্পংৰাজে গুলিয়াম্প মাৰিছিল। মুকুন্দ কাকতিহঁতক জেলত দিয়া হৈছিল। ওঠৰ বছৰীয়া কণকলতাকো গুলিয়াম্প হত্যা কৰা হৈছিল।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। स्वाधीनता संग्राम के दौरान देश को जोड़ने का काम हिंदी ने ही किया। हमारे नेताओं ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया। इनमें महात्मा गांधी, गोपालकृष्ण गोखले, केशवचन्द्र सेन, सुभाषचन्द्र बोस आदि प्रमुख हैं। संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है। इसके अनुसार हिंदी को राजकाज की भाषा बना दिया गया है। आजकल

केन्द्रीय सरकार के दस्तावेज हिंदी में भी तैयार किए जाते हैं। हिंदी उत्तरोत्तर उन्नति कर रही है।

V. 'बुरा न मानों, होली है' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. कर्मवाच्य की क्रिया : असमिया में कर्मवाच्य की क्रिया बनाना बहुत आसान है। धातु में '-ञा' (-आ) जोड़कर, इसके बाद वर्तमान काल की सहायक क्रिया '-इय' (-हय) या '-याय' (-जाय) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

कब् + -ञा + इय = कबा इय किया जाता है।

दि + -ञा + इय = दिया इय दिया जाता है।

2. अकारांत या आकारांत धातु का रूप -आ जोड़ते समय कुछ बदल जाता है। जैसे :

क + -ञा + इय = कोड़ा इय बोला जाता है।

था + -ञा + इय = थोड़ा इय खाया जाता है।

3. सहायक क्रिया काल के अनुसार बदलती है। जैसे :

कबा गैछिल --- किया गया था।

कबा याव --- किया जाएगा।

4. श्चबि (हुसरि) : बिहु के समय पुरुषों के द्वारा घर-घर में मांगलिक गीत गाया जाता है जिसमें आशीर्वाद का भाव होता है। इसमें स्त्रियाँ या लड़कियाँ भाग नहीं लेतीं। यह बिहु का ही एक अंग है।
5. बिह्वान (बिहुवान) : रंगाली बिहु पर स्त्रियाँ (लड़की, बेटी, पत्नी) उपहार के रूप में स्वयं का बुना हुआ वस्त्र पुरुषों को देती हैं। इसे 'बिहुवान' कहते हैं।
6. मेजि (मेजि) : बांस, फूस, पेड़ की टहनियों आदि से बनाया गया मंदिरनुमा ढाँचा जिसे भोगाली बिहु के दिन सुबह जलाया जाता है।

7. बश्-यूँज (भैसे की लड़ाई) : असम में माघ बिहु के दिन भैसे लड़ाए जाते हैं। यह एक पारंपरिक खेल है। आजकल यह शौक बढ़कर प्रतिद्वंद्विता का रूप ले रहा है।
8. कगी-यूँज (अंडे की लड़ाई) : माघ बिहु के ही दिन लोग मजे के लिए अंडे लड़ाते हैं। वे अंडे हाथ में लेकर उन्हें प्रतिद्वन्द्वी के अंडे से टकराते हैं। जिसका अंडा पहले फूट जाता है वह हारा हुआ माना जाता है। हारा हुआ व्यक्ति शर्त के अनुसार निश्चित संख्या में अंडे जीतने वाले को देता है।